रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2102] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 3, 2019/आषाढ़ 12, 1941
No. 2102] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 3, 2019/ ASHADHA 12, 1941

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 2019

का.आ. 2321(अ).—अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारुप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य (ब्लॉक-ए), तमिलनाडु राज्य के थंजावुर और थिरुवरूर जिलों में स्थित है। अभयारण्य का कुल क्षेत्रफल 118.8591 **वर्ग किलोमीटर** में थिरुवरूर जिले के थिरुथुराईपोंडी तालुक में 93.0473 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र और थंजावुर जिला के पट्टुकोट्टाई तालुक में 25.8118 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में है;

और, अभयारण्य में प्वाइंट कैलिमर आर्द्रभूमि एकमात्र क्षेत्र है जिसे तमिलनाडु में रामसर स्थल (19 अगस्त, 2002 को रामसर स्थल सं. 1210 पर) के रूप में घोषित किया गया था। इस अभयारण्य की मुख्य विशेषता मुल्लीपल्लम लैगून है जो कावेरी नदी, की सहायक नदियों से ताजा जल प्राप्त करता है। इस अभयारण्य के नासुविनियार, पट्टुनाथियार, पमिनियार

कोरयार, किलाईथांगी, मारककोरयार, कांथापिरिचन और वलवनार चैनल और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए बेहतर तरीके से बेहतर अनुपात में नमक और ताजे जल को रोके रखता है;

और, यह अभयारण्य दुनिया के विभिन्न भागों से आने वाले प्रवासी जल पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रजनन भूमि है जो वदुवूर और उदयामर्थंडापुरम अभयारण्य के पास में बसेरा हैं और घोंसले बनाते हैं। हर साल यह सितंबर से फरवरी तक 70 से अधिक जल पक्षियों की प्रजातियों को आकर्षित करता है। इसके अलावा, पक्षी अपने मूल स्थानों पर वापस जाने से पहले प्रजनन के लिए प्वाइंट कैलिमर अभयारण्य (ब्लॉक-ए) जाते हैं। प्रवास अवधि के फर्स्ट हाफ में, अर्थात् अक्टूबर से दिसंबर तक छोटे पक्षियों जैसे कि चैती और बत्तख की संख्या अधिक होती है क्योंकि यहां जल की गहराई अधिक होती है। अभयारण्य में दिसंबर से जल की कमी शुरू हो जाती है, बड़े पक्षी जैसे पेंटेड स्टॉर्क, ओपन बिल स्टॉर्क आदि एकत्रित होने लगते हैं;

और, प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य में वनस्पतियों और जीवजन्तुओं की विविधता है। संरक्षित क्षेत्र में पाए जाने वाले वनस्पतियों में मद्रास थॉर्न (*पीथेल्लोबीयम डुलके*), पोर्टिया ट्री (*पोंगामिया पिन्नाटा*), सीपवीड (*सुआडा मोनिइका*), इंडियन सरसप्रीला (*हेमाइड्सम्स इंडिकस*) शामिल हैं; और जीव-जंतुओं में अन्य शामिल हैं जीव-जंतुओं के उदाहरण ग्रे बगुला (*अर्डे सिनेरिया*), फ्लेमिंगो (*फीनिकोप्टेरस रोज़स*), इंडियन ग्रे नेवला (*हर्पेस्टेस एडवड्र्स*), ब्रोज बैक्ड ट्री स्नेक (*डेंड्रेलाफिस ट्रिस्टिस*) हैं;

और, प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य में पक्षियों, तितलियों, सरीसृपों, उभयचरों की विविधता है। एरियन जीवजन्तुओं में भारतीय रीफ हेरोन (*एग्रेटा गुलारिस*), लिटिल रिंगेड प्लोवर (*चराड्रियस डबियस*), स्पून बिल (*प्लाटेला ल्यूकोरोडिया*) आदि शामिल हैं; उभयचर कॉमन इंडियन टॉड (*डुट्राफ्रीएनस मेलानोस्टिक्टस*), नैरो माउथ फ्रॉग (*माइक्रोहिल ओरनेटे*), पेंटेड फ्रोग (*कलौला टैप्रोबानिका*) आदि हैं।

और, प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य में पाई जाने वाली दुर्लभ और संकटापन्न प्रजातियां ग्रेट कॉर्मोरेंट (*फेलाक्रोकॉरैक्स कार्बो*), पर्पल हेरोन (*अर्डेया सिनेरिया*), सामान्य स्निप (गैलिनागो), स्पॉट-बिल्ड पेलिकन (*पेलेकेनस फिलिपेंसिस*), पेंटेड स्ट्रक (*माइक्टेरिया लीकोसेफेला*) आदि हैं;

और, प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैराग्राफ 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों की श्रेणियों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इसमे इसके पश्चात् पर्यावरण अधिनियम कहाँ गया है) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) एवं उपधारा (3) के खंड (v) और खंड (xiv) केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तमिलनाडु राज्य में प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर शून्य किलोमीटर से 0.50 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य पारिस्थितिकी-संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा**.-(1) पारिस्थितिकी-संवेदी जोन का विस्तार प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर शून्य किलोमीटर से 0.50 किलोमीटर तक फैला हुआ है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल **374.92 वर्ग किलोमीटर** है।

(अभयारण्य के दक्षिणी भाग में विद्यमान बंगाल की खाड़ी शून्य तक विस्तृत है।

(2) प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य का मानचित्र **उपाबंध- IIक, उपाबंध- IIख, उपाबंध- IIग, उपाबंध- IIघ** और **उपाबंध- IIङ,** के रूप में संलग्न है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची **उपाबंध-III** के सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है ।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध-IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.–(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनायेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी ।

(3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:--

(1) पर्यावरण;
(2) वन और वन्यजीव;
(3) कृषि;
(4) राजस्व;
(5) शहरी विकास;
(6) पर्यटन;
(7) ग्रामीण विकास;
(8) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
(9) नगरपालिका;
(10) पंचायती राज;
(11) लोक निर्माण विभाग;
(12) राजमार्ग; और
(13) तमिलनाडु राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आचंलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हे अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का सहायक मानचित्र के साथ निर्धारण किया जाएगा। महायोजना में प्रस्तावित और विद्यमान भू- उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा भी सहायक मानचित्र द्वारा दिया जाएगा।

(7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी ।

(9) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, मानीटरी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार मानीटरी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.–** (क) पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, मानीटरी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास; और

(v) बढ़ावा दिए गए पैराग्राफ 4 में उल्लिखित क्रियाकलाप;

परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव- विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत.**- आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों/नदियों/जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा जल आवाह प्रबंधन योजना इस रीति से बनाई जाएगी कि उसमें आवाह क्षेत्रों में विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो ।

(3) **पर्यटन/पारिस्थितिकी पर्यटन.–** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा ।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी ।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी ।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात् :-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

तथापि, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1 किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात होगी;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा मानीटरी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/रिसोर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का संन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होगा ।

(4) **प्राकृतिक विरासत.–** पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.**– पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार में पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए विनियमों को कार्यान्वित करेगा ।

(7) **वायु प्रदूषण.**- पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण साधारणों मानकों के अन्तर्गत पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों जो भी अधिक कठोर हो के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबन्धन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थो का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय–समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधो के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई–अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात.-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की मानीटरी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण.-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन के प्रयोग के प्रयास किए जाएंगे ।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.-** (i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी;

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी ।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्रम सं. **(1)**	**क्रियाकलाप** **(2)**	**टिप्पणी** **(3)**
	क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाईयां ।	(क) सभी नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और तोड़ने की इकाईयों को व्यक्तिगत उपभोग के लिए मकानों के सन्ननिर्माण या मरम्मत के लिए और भूमि को खोदने या मकानों के लिए देसी टाइल्स या ईंटों के निर्माण के प्रतिनिर्देश से स्थानीय निवासियों के सदभाविक घरेलू आवश्यकताओं के सिवाए प्रतिषिद्ध किया जाएगा ; (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में किया जायेगा ।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी: जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	मुख्य जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रस्संकरण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टिप्पणी (3)
	में अनुपचारित बहिस्रावों का निस्सारण।	
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
	ख.विनियमित क्रियाकलाप	
8.	होटलों और रिजॉर्टों की वाणिज्यिक स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण को छोड़कर संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी: परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार अनुज्ञात होगी।
9.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु, स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी। परन्तु गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे। (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से आगे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।
10.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग तथा अपरिसंकटमय लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, बागबानी या कृषि आधारित उद्योग, जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्रियों से उत्पाद

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टिप्पणी (3)
		बनाते हैं, सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
11.	वृक्षों की कटाई।	(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि या सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई नहीं होगी। (ख) वृक्षों की कटाई केंद्रीय या संबंधित राज्य के अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।
12.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
13.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा (भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।
14.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचा।	लागू विधियों के अनुसार न्यूनीकरण उपायों नियम और विनियमन और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ किए जाएंगे।
15.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ बनाना और नई सड़कों का निर्माण।	लागू विधियों के अनुसार न्यूनीकरण उपायों नियम और विनियमन और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ किए जाएंगे।
16.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
17.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
18.	रात्रि में वाहन यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा।
19.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
20.	फर्मों, कारपोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
21.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्राव का निस्सारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्राव के निस्सारण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुन:उपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्राव का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
22.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टिप्पणी (3)
23.	कृषि या अन्य उपयोग के लिए खुले कुआ, बोर कुआ, आदि।	विनियमित और सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलाप की मानीटरी की जाएगी।
24.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
26.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
27.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
28.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
	ग.संवर्धित क्रियाकलाप	
29.	वर्षा जल संचय।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग, आदि।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	अवक्रमित भूमि/वनों/ पर्यावासों की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	पर्यावरण के प्रति जागरुकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	बागवाणी और औषधियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. मानीटरी समिति- प्रभावी मानीटरी के लिए प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा, एक मानीटरी समिति का इस अधिसूचना के अंतर्गत गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

(i)	जिला कलेक्टर, थिरुवरुर	अध्यक्ष;
(ii)	राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाला गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	सदस्य;
(iii)	राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला जैवविविधता का एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(iv)	राजस्व संभाग अधिकारी, मन्नारगुडी	सदस्य;
(v)	परियोजना अधिकारी, डीआरडीए, थिरुवरुर	सदस्य;

(vi)	राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाल पारिस्थितिकी और पर्यावरण का एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(vii)	राज्य लोक निर्माण विभाग का प्रतिनिधि	सदस्य;
(viii)	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रतिनिधि	सदस्य;
(ix)	तहसीलदार, पट्टुकोट्टई	सदस्य;
(x)	जिला वन अधिकारी, थिरुवरूर	सदस्य सचिव।

6. विचारार्थ विषय.- (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की मानीटरी करेगी।

(2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद मानीटरी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले और भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल क्रियाकलापों इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोडकर वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हें उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा जाएगा।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल न किए गए परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले क्रियाकलापों की वास्तविक स्थल- विशिष्ठ दशाओं के आधार पर मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हे संबंधित विनियामक प्राधिकरणों को भेजा जाएगा ।

(5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा।

(6) मानीटरी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले मे आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, **उपाबंध -V** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे ।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी ।

8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अध्यधीन होंगे ।

[फा.सं. 25/29/2018-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध- I

प्वाइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन

उत्तर

संख्या 168 पलंजुर ग्राम के अन-सर्वेक्षण संख्या 546, 547 और 552 के त्रि-जंक्शन बिंदु से आरंभ होती है, सीमा पलंजुर ग्राम के सर्वेक्षण संख्या 547, 548, 549, 550 और 551 के दक्षिणी भाग के साथ आमतौर पर पूर्व की ओर जाती है और वी. संख्या 165 के सर्वेक्षण संख्या 954, थमरनकोट्टई ग्राम के दक्षिण पश्चिम कोण से मिलती है, जो कि पलंजुर, 186 के पुराने सर्वेक्षण संख्या 529 के द्वि-जंक्शन और टी. मरवाकडु ग्राम, संख्या 71 की सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 116 है और इसके बाद टी. मरवाकडु ग्राम के संख्या 71 के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 103 के उत्तर पश्चिम कोण से मरवाकडु ग्राम संख्या 71 के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 111 के पूर्वी भाग के साथ जाती है जो कि उक्त टी. मरवाकडु ग्राम के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 111, 109 और 103 का त्रि-जंक्शन भी है और इसके बाद उक्त टी.मरवाकडु ग्राम के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 103 के दक्षिणी भाग, सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 359, 360 और 373 का पश्चिमी भाग, सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 374 का पश्चिमी और दक्षिणी भाग, सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 375, 376, 377, 378, 379, 390, 401, 402, 403, 404, 447, 450, 453, 454, 486, 487 और 490 सभी के दक्षिणी भाग से टी. मरवाकडु ग्राम संख्या 71 के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 490, टी. मरवाकडु ग्राम, वी. संख्या 75 के सर्वेक्षण संख्या 116 और टी. वडाकडु ग्राम, संख्या 83 के सर्वेक्षण संख्या 317 के त्रि-जंक्शन बिंदु के साथ पूर्व की ओर जाती है और इसके बाद सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 317 के दक्षिणी भाग से टी.वडाकडु ग्राम संख्या 83 के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 317 के त्रि-जंक्शन, पट्टुकोट्टई तालुक के पुडुकोट्टगम ग्राम संख्या 74 के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 212 और सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 351 के 135 के साथ पूर्व की ओर जाती है और इसके बाद सर्वेक्षण संख्या 348 की पूर्वी सीमा पूर्व के साथ उत्तर की ओर जाती है और इसके बाद सर्वेक्षण संख्या 347 की पश्चिमी सीमा, मुथुपेट ग्राम संख्या 79 के 346 की पूर्वी सीमा के साथ जाती है यह सर्वेक्षण संख्या 346 के दक्षिण पूर्व कोण से संख्या 74, पुदुकोट्टगम ग्राम संख्या 79, मुथुपेट और थुराईकडु ग्राम संख्या 135 के सर्वेक्षण संख्या 347 से मिलती है और इसके बाद बिंदु जाती है जो कि 6 लिंक थिअडलिट से और बेयरिंग 1510 में है। सीमा इसके बाद स्टेशन संख्या 2, 500 लिंकों की दूरी में बिंदु और आरंभिक बिंदु से बेयरिंग 134.5 में जाती है और इसके बाद बेयरिंग और दूरी निम्नलिखित है:

स्टेशन से	स्टेशन तक	चुम्बकीय बेयरिंग	दूरी (लिंकों में)
2	3	90.50	2510
3	4	104.75	1242
4	5	101.75	1834
5	6	91.75	2367
6	7	102.00	1767
7	8	121.75	1767
8	9	110.75	2116
9	10	111.25	4612
10	11	110.00	4268
11	12	95.75	3396
12	13	93.00	300
13	14	93.00	2503

	14	**15**	**95.00**	**2574**
	15	**16**	**95.75**	**2905**
	16	**17**	**105.50**	**4453**
	17	**18**	**105.50**	**3496**
	18	**19**	**105.50**	**4761**
	19	**20**	**195.50**	**3974**
	20	**21**	**105.50**	**3716**
	21	**22**	**106.00**	**3055**
	22	**31**	**134.00**	**9164**
उत्तर पूर्व	सीमा थमरनकोट्टई ग्राम से आरंभ होती है आमतौर पर सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 964, 966, 968 और 968 की दक्षिणी भागों के साथ पूर्व की ओर सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 969 (थमरनकोट्टई ग्राम के सभी) का पश्चिमी और दक्षिणी भागों से सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 969 की दक्षिणी पूर्वी कोण जाती है जो कि थमरनकोट्टई ग्राम के सर्वेक्षण क्षेत्र संख्या 969 का द्वि-जंक्शन भी है।			
पूर्व	इसके अतिरिक्त स्टेशन संख्या 31 से 32 तक सीमा बेयरिंग 204.50 में 2260 लिंकों की दूरी के लिए दक्षिण से जाती है यह पलक स्ट्रेट से मिलती है।			
दक्षिण पूर्व	थिरुथुरईपून्दी तालुक के थुरईकडु ग्राम और इसके बाद सीमा आमतौर पर संख्या 82 के सर्वेक्षण संख्या 478, 479 और 480, तुरईकडु ग्राम की पश्चिमी सीमा के साथ जाती है और इसके बाद सीमा 480, 474, 473, 467, 459, 457, 450, 449, 351, 443, 435, 350, 432, थुरईकडु ग्राम की दक्षिणी सीमा के साथ जाती है।			
दक्षिण	सीमा पलक स्ट्रेट के तट के साथ जाती है यह पलंजुर बीट – 2 आर एफ के दक्षिण पश्चिम कोण पहुँचती है जो कि पलक स्ट्रेट का जंक्शन बिंदु और पलंजुर ग्राम का सर्वेक्षण संख्या 556 भी है।			
दक्षिण पश्चिम	इसके बाद सीमा पलंजुर ग्राम, आर.एस. संख्या 547,548,569,550 एवं 551 में समाप्त होती है।			
पश्चिम	इसके बाद सीमा आमतौर पर पलंजुर ग्राम के सभी सर्वेक्षण संख्या 558, 557 की पश्चिमी सीमा के साथ 366.8 मीटर की दूरी में उत्तर की ओर जाती है और इसके बाद सीमा सर्वेक्षण संख्या 557 के पूर्वी भाग के साथ उत्तर में जाती है और पलंजुर ग्राम के सर्वेक्षण संख्या 557, 529 और 552 के त्रि-जंक्शन बिंदु पहुँचती है। इसके बाद सीमा सर्वेक्षण संख्या 552 के दक्षिणी, पूर्वी और उत्तरी भागों के साथ जाती है यह आरंभिक बिंदु पहुँचती है।			
उत्तर पश्चिम	इसके बाद सीमा आमतौर पर पलंजुर ग्राम के सभी सर्वेक्षण संख्या 557 की पश्चिमी सीमा के साथ 366.8 मीटर की दूरी से उत्तर की ओर जाती है।			

उपाबंध- IIक

प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र

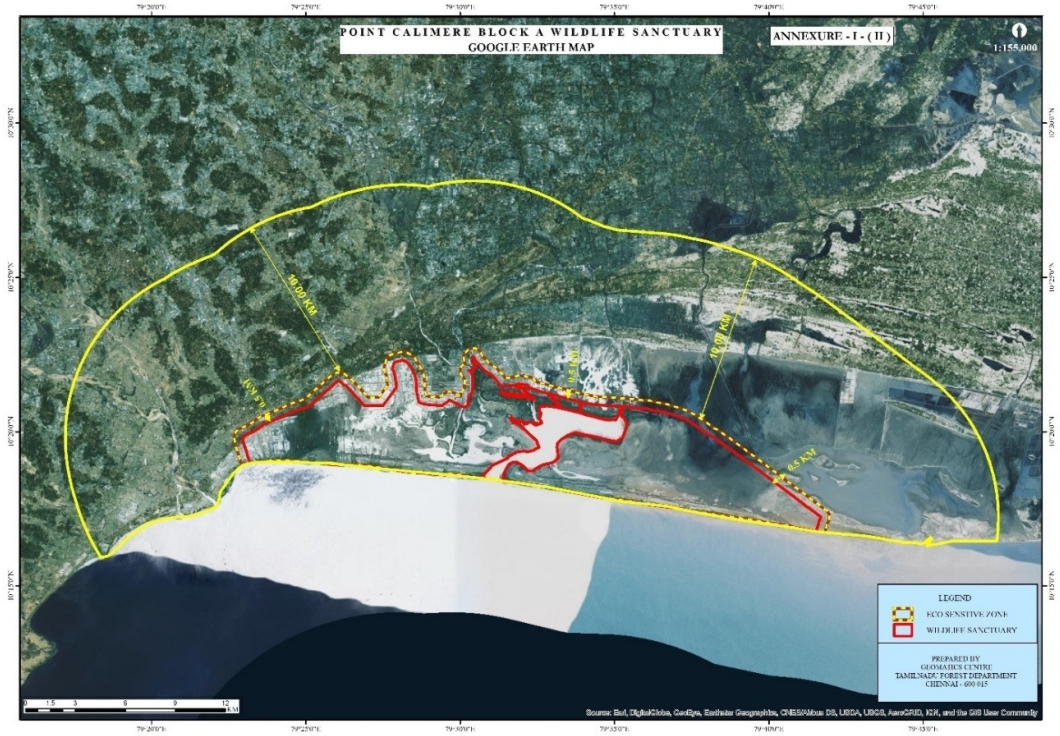

उपाबंध- IIख

मुख्य अवस्थान के भू-निर्देशांक बिंदुओं के साथ प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र

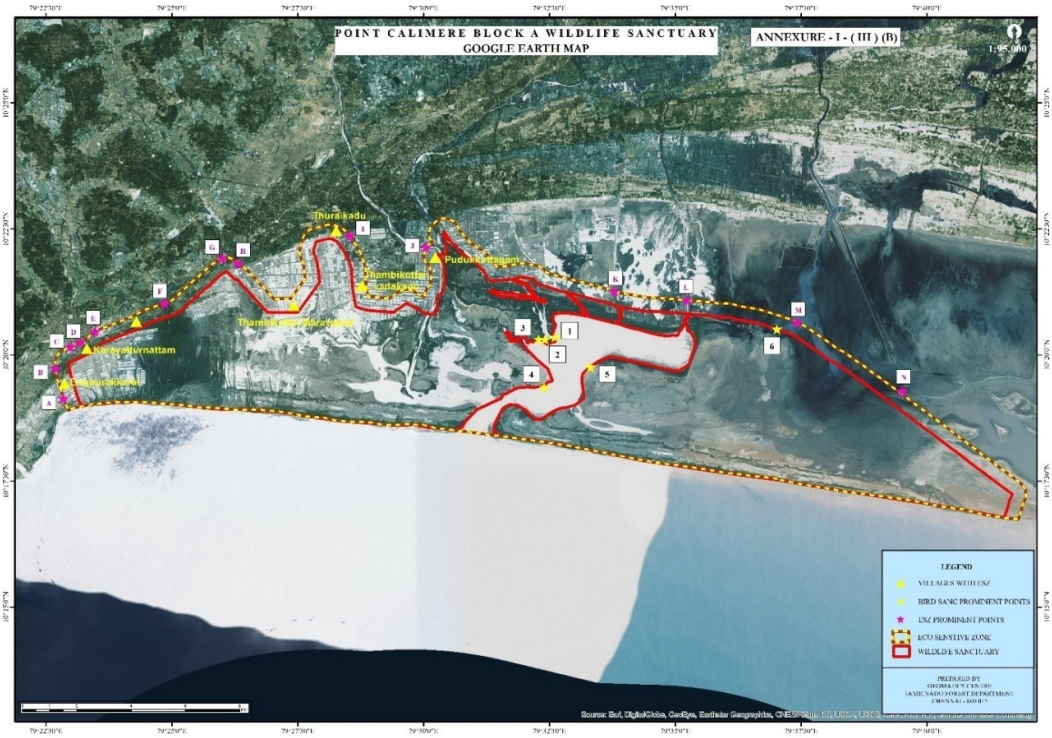

उपाबंध- IIग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

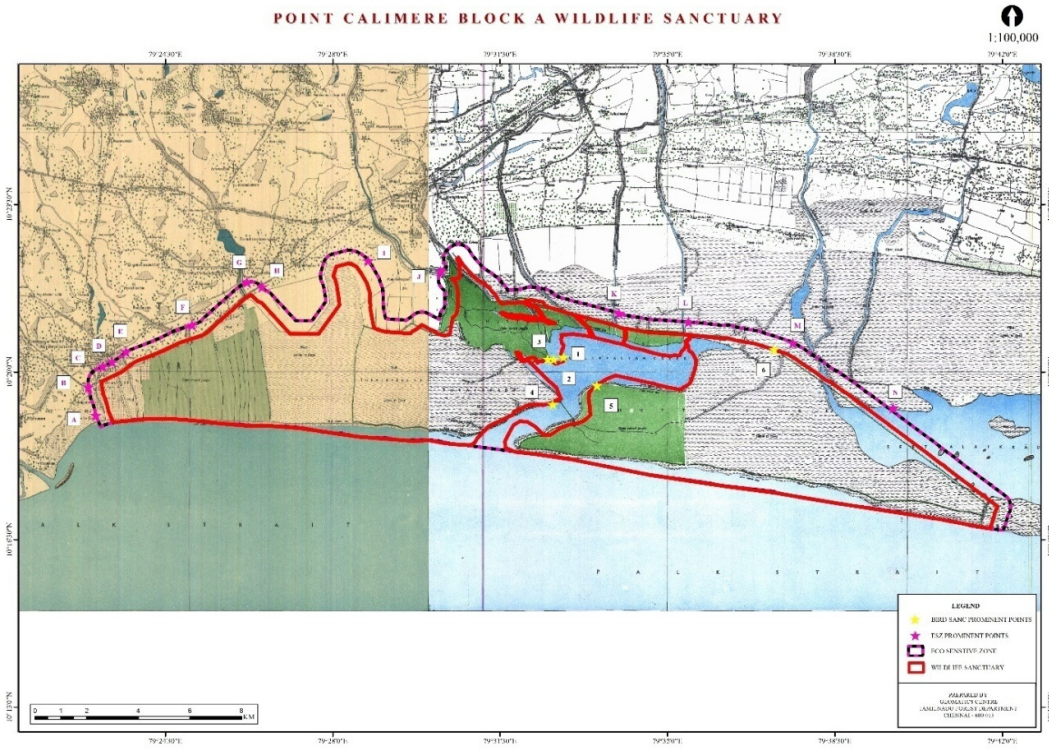

उपाबंध- IIघ

10 किलोमीटर बफर क्षेत्र के साथ प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का भू-उपयोग मानचित्र

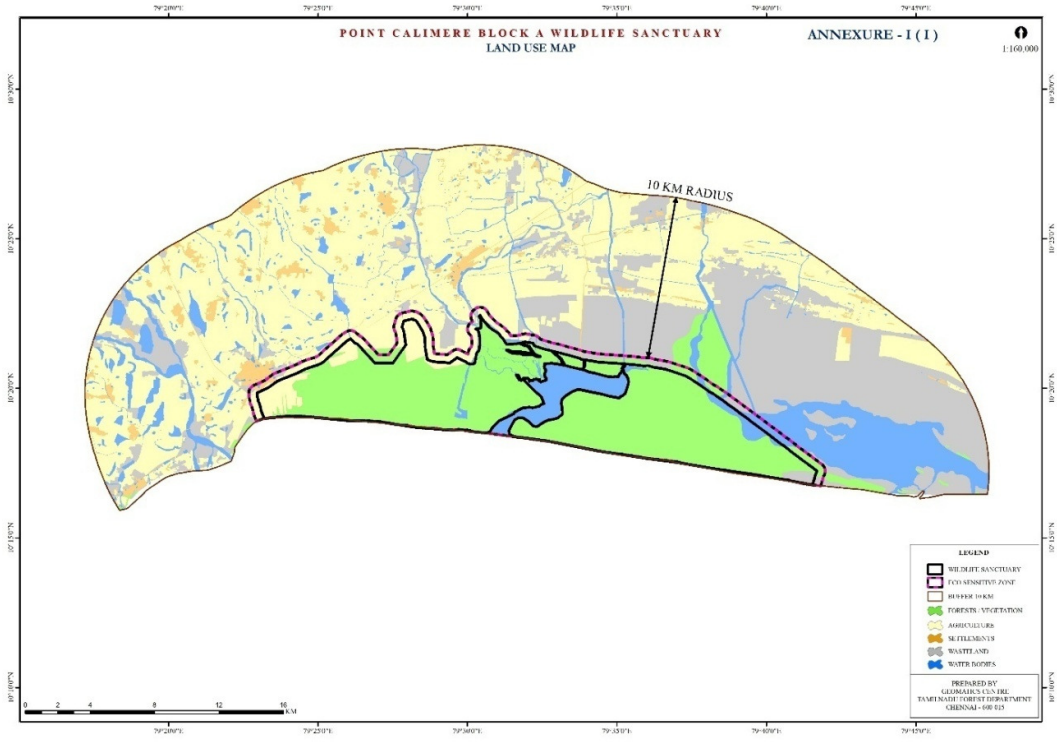

उपाबंध- IIङ

प्रमुख अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

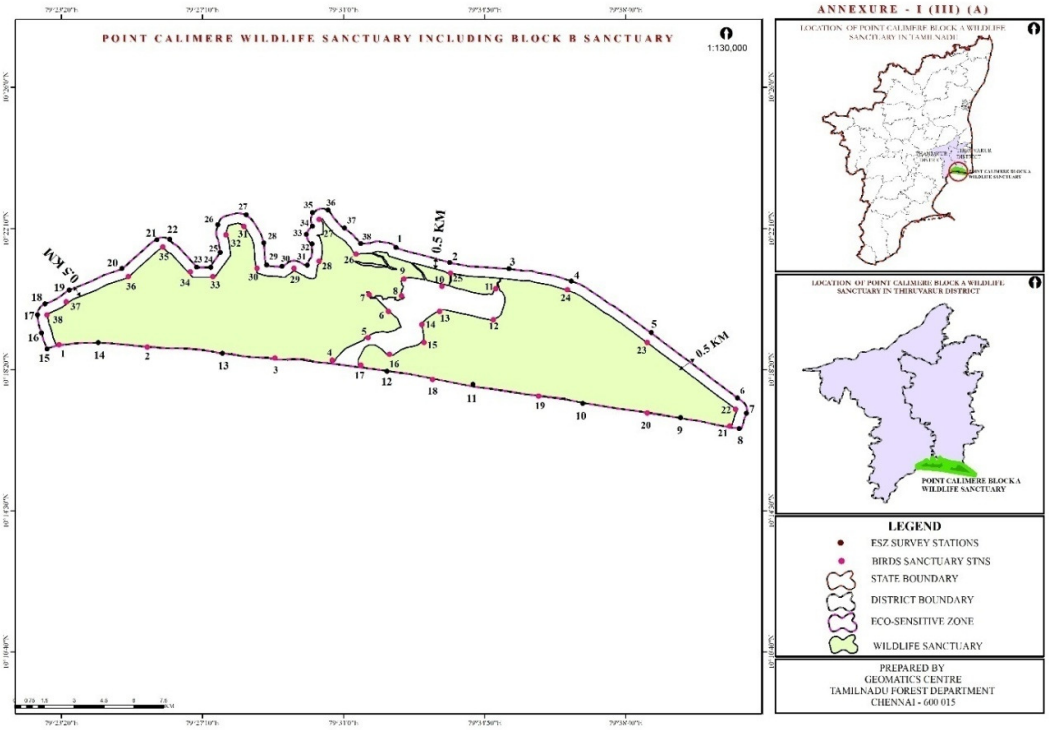

उपाबंध-III

सारणी क: प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य, तमिलनाडु के प्रमुख स्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र. सं.	मुख्य बिंदुओं के अवस्थान/दिशा	अक्षांश (उ) डी एम एस प्रारुप	देशांतर (पू) डी एम एस प्रारुप
1.	द प	10°20'5"	79°50'46"
2.	द प	10°20'7"	79°51'26"
3.	द	10°20'6"	79°51'53"
4.	द	10°19'34"	79°51'58"
5.	द पू उप्पूथोट्टम बोट जेट्टी	10°19'10"	79°52'0"
6.	द पू	10°18'40"	79°52'3"
7.	द पू वॉच टॉवर और रेस्टिंग शेड	10°18'13"	79°52'4"
8.	द पू न्यू चीफ कोर्नर	10°18'4"	79°52'20"
9.	द पू	10°17'45"	79°52'25"
10.	द पू	10°17'27"	79°52'14"
11.	द पू	10°17'8"	79°51'42"
12.	द पू	10°16'50"	79°51'2"
13.	द पू जेलिमुनई बोट जेट्टी	10°16'38"	79°50'15"
14.	द पू	10°16'40"	79°50'0"
15.	द पू	10°16'57"	79°49'57"
16.	द पू	10°17'10"	79°49'48"
17.	द	10°17'26"	79°50'3"
18.	द	10°17'43"	79°50'6"
19.	द पू	10°17'55"	79°49'51"
20.	द पू	10°18'15"	79°49'56"
21.	पू	10°18'23"	79°49'34"
22.	पू	10°18'34"	79°49'21"
23	उ पू	10°18'39"	79°49'19"
24	उ पू वॉच टॉवर, थोंडीयाक्कडू	10°18'43"	79°49'22"
25.	उ पू	10°18'45"	79°49'39"
26	उ	10°18'47"	79°49'50"
27.	उ	10°18'49"	79°49'52"
28.	उ	10°18'48"	79°49'57"
29.	उ	10°18'50"	79°50'6"

30.	उ	10°18'50"	79°50'9"
31.	उ	10°19'5"	79°50'12"
32.	उ प	10°19'22"	79°50'14"
33.	उ प	10°19'21"	79°50'18"
34.	उ प	10°19'27"	79°50'19"
35.	उ प	10°19'32"	79°50'21"
36.	उ प	10°19'33"	79°50'19"
37.	प	10°19'36"	79°50'17"
38.	प	10°19'45"	79°50'18"

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रमुख स्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र. सं.	मुख्य बिंदुओं के अवस्थान/दिशा	अक्षांश (उ) डी एम एस प्रारुप	देशांतर (पू) डी एम एस प्रारुप
1.	उ	10°21'40"	79°32'26"
2.	उ	10°21'15"	79°33'53"
3.	उ	10°21'5"	79°35'30"
4.	उ पू	10°20'44"	79°37'12"
5.	उ पू	10°19'21"	79°39'22"
6.	पू	10°17'34"	79°41'42"
7.	पू	10°17'9"	79°41'57"
8.	द पू	10°16'44"	79°41'45"
9.	द पू	10°17'2"	79°40'10"
10.	द पू	10°17'25"	79°37'30"
11.	द पू	10°17'56"	79°34'31"
12.	द	10°18'18"	79°32'11"
13.	द	10°18'47"	79°27'42"
14.	द प	10°19'4"	79°24'20"
15.	द प	10°18'54"	79°22'57"
16.	प	10°19'20"	79°22'48"
17.	प	10°19'49"	79°22'41"
18.	प	10°20'7"	79°22'53"
19.	उ प	10°20'30"	79°23'33"
20.	उ प	10°21'5"	79°24'59"
21.	उ प	10°21'52"	79°25'56"
22.	उ प	10°21'53"	79°26'17"
23.	उ प	10°21'8"	79°27'1"

24.	उ	10°21'7"	79°27'24"
25.	उ	10°21'31"	79°27'39"
26.	उ	10°22'16"	79°27'35"
27.	उ	10°22'33"	79°28'21"
28.	उ	10°21'47"	79°28'50"
29.	उ	10°21'11"	79°28'54"
30.	उ	10°21'9"	79°29'20"
31.	उ	10°21'11"	79°30'1"
32.	उ	10°21'45"	79°30'9"
33.	उ	10°22'1"	79°29'60"
34.	उ	10°22'14"	79°30'9"
35.	उ	10°22'36"	79°30'9"
36.	उ	10°22'40"	79°30'35"
37.	उ	10°22'11"	79°31'2"
38	उ	10°21'46"	79°31'28"

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांकों के साथ प्वाइंट कैलिमर ब्लॉक-ए वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्राम क्षेत्र की सूची

क्र.सं.	ग्राम का नाम	ग्राम के प्रकार	तालुक	जिला	अक्षांश (उ) डी एम एस प्रारुप	देशांतर (पू) डी एम एस प्रारुप
1.	एरिप्पुराक्कारई	राजस्व ग्राम	पट्टुक्कोट्टई	थंजावुर	10°19'26"	79°22'52"
2.	थम्बीकोट्टई वडाकाडु	राजस्व ग्राम	थिरुथुरईपून्दी	थिरुवरुर	10°21'22"	79°28'47"
3.	पुडुक्कोट्टागम	राजस्व ग्राम	पट्टुक्कोट्टई	थंजावुर	10°21'56"	79°30'14"
4.	थुराईकाडु	राजस्व ग्राम	थिरुथुरईपून्दी	थिरुवरुर	10°22'28"	79°28'16"
5.	थम्बीकोट्टाई मरवाकाडु	राजस्व ग्राम	थिरुथुरईपून्दी	थिरुवरुर	10°20'59"	79°27'26"

6.	करायाट्टु नट्टाम	राजस्व ग्राम	पट्टुक्कोट्टई	थंजावुर	10°20'7"	79°23'19"

उपाबंध-V

की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें) ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार(पारिस्थितिकी-संवेदी जोन वार) । विवरण उपाबंध के रुप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार।(विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें)।
6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । (विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd July, 2019

S.O. 2321(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, the Point Calimere Wildlife Sanctuary (Block – A), is located in Thanjavur and Thiruvarur districts in the State of Tamil Nadu. The total area of the Sanctuary is 118.8591 square kilometre comprising of 93.0473 square kilometre in Thiruthuraipoondi taluk of Thiruvarur District and 25.8118 square kilometre in Pattukottaitaluk of Thanjavur district;

AND WHEREAS, the Point Calimere Wetland in the Sanctuary is the only area in Tamil Nadu which was declared as Ramsar site (*Ramsar site No. 1210 on August 19th of 2002*). The salient feature of this Sanctuary is Mullipallam lagoon which receives fresh water from the tributaries of Cauvery River. The Nasuviniyar, Pattuvanathiyar,

Paminiyar Korayar, Kilaithangi, Marakakorayar, Kanthapirichan and Valavanar channel retains salt and freshwater proportionately for the ecological balance of this Sanctuary;

AND WHEREAS, the Sanctuary is an important feeding ground for migratory water birds that come from different parts of the world which also roost and nest in nearby Vaduvur and Udayamarthandapuram Sanctuary. More than 70 species of water birds are recorded during the months of September to February each year. Further, these birds visits the Point Calimere Sanctuary (Block – A), particularly for feeding before return to their home. In early period of migration i. e. October to December, the population of smaller birds like teals and ducks was high as water depth is more. As water starts receding from December onwards, larger birds like painted storks, open bills storks, etc., are congregating in the Sanctuary;

AND WHEREAS, the Sanctuary has diversity of flora and fauna. The flora found in the protected area inter alia includes Madras thorn (*Pithecellobium dulce*), portia tree (*Pongamia pinnata*), seepweed (*Suaeda monoica*), Indian sarsaparilla (*Hemidesmus indicus*) etc; and the fauna inter alia includes examples of fauna are grey heron (*Ardea cinerea*), flamingo (*Phoenicopterus roseus*), Indian grey mongoose (*Herpestes edwardsii*), bronzeback tree snake (*Dendrelaphis tristis*), etc.;

AND WHEREAS, the Point Calimere Wildlife Sanctuary has variety of birds, butterflies, reptiles, amphibians. The avian fauna inter alia includes Indian reef heron (*Egretta gularis*), little ringed plover (*Charadrius dubius*), spoon bill (*Platalea leucorodia*) etc; while major amphibians of the Sanctuary includes common Indian toad (*Duttaphrynus melanostictus*), narrow mouthed frog (*Microhyla ornate*), painted frog (*Kaloula taprobanica*) etc.;

AND WHEREAS, the rare and threatened species found in the Point Calimere Wildlife Sanctuary are great cormorant (*Phalacrocorax carbo*), purple heron (*Ardea cinerea*), common snipe (*Gallinago*), spot-billed pelican (*Pelecanus philippensis*), painted strok (*Mycteria leucocephala*), etc.;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Point Calimere Wildlife Sanctuary which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of Section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from zero kilometre to 0.50 kilometre around the boundary of Point Calimere Wildlife Sanctuary, in Thanjavur and Thiruvarur districts in the State of Tamil Nadu as the Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –** (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of zero kilometre to 0.50 kilometre around the boundary of Point Calimere Wildlife Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is 374.92 square kilometres. (*Zero extent is due to presence of Bay of Bengal at the southern side of the Sanctuary*).

   (2) The boundary description of Point Calimere Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I.**

   (3) The maps of the Point Calimere Wildlife Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB, Annexure-IIC, Annexure-IID** and **Annexure-IIE.**

   (4) List of geo-coordinates of the boundary of Point Calimere Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure III.**

   (5) The list of villages falling in the proposed Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV.**

2. **Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-** (1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority of State.

   2 The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

3 The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

(i) Environment;
(ii) Forest and Wildlife;
(iii) Agriculture;
(iv) Revenue;
(v) Urban Development;
(vi) Tourism;
(vii) Rural Development;
(viii) Irrigation and Flood Control;
(ix) Municipal;
(x) Panchayati Raj;
(xi) Public Works Department;
(xii) Highways; and
(xiii) Tamil Nadu State Pollution Control Board.

4 The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

5 The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

6 The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

7 The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

8 The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

9 The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by the State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use.– (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
(iii) small scale industries not causing pollution;
(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
(v) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other

rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism or Eco-tourism.- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be compiled in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) Discharge of effluents.- Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) Solid wastes.- Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-Medical Waste.– Bio Medical Waste Management shall be as under:-

(a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management, Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R 343 (E), dated the 28th March, 2016.

(b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.– The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be incompliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.– (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
	A. Prohibited Activities	
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for personal consumption; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
	B. Regulated Activities	
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
9.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
		undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents: Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
10.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
11.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
12.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce.	Regulated as per the applicable laws.
13.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
14.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines.
15.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
16.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
17.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
18.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
19.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
20.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
21.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
		the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
23.	Open Well, Bore Well etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
24.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
29.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
30.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
32.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
33.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light etc. shall be actively promoted.
34.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
35.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
36.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
37.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
38.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.
39.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.

5. **Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.-** For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

S N	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
(i)	District Collector, Thiruvarur	Chairman, Ex-officio
(ii)	A representative of Non-government Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by State Government	Member;
(iii)	An expert in Biodiversity nominated by the State Government	Member;
(iv)	Revenue Division Officer, Mannargudi	Member;
(v)	Project Officer, DRDA, Thiruvarur	Member;
(vi)	An expert in Ecology and Environment to be nominated by the State Government	Member;
(vii)	A representative from State Public Works Department	Member;

(viii)	A representative from State Pollution Control Board	Member;
(ix)	Tehsildar, Pattukkottai	Member;
(x)	District Forest Officer, Thiruvarur	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

2. The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

3. The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

4. The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

5. The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

6. The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

7. The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at **Annexure V.**

8. The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/29/2018-ESZ]

DR. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE OF THE POINT CALIMERE WILDLIFE SANCTUARY

North	Starting from tri-junction point of un-Survey Numbers 546, 547 and 552 of No. 168 Palanjur Village, the boundary runs generally eastwards along the southern side of Survey Numbers 547, 548, 549, 550 and 551 of Palanjur village and meets south west corner of Survey Number 954 of V.No. 165, Thamarankottai village, which is also bi-junction of old Survey Number 529 of 186, Palanjur village and Survey Field Number 116 of No. 71, T.Maravakadu village and thence along the eastern sides of Survey Field Number 111 of No. 71 Maravakadu village to the north west corner of Survey Field Number 103 of No. 71 of T.Maravakadu village

which is also a tri-junction of Survey Field Numbers 111, 109 and 103 of the said T.Maravakadu village and then east towards east along the southern side of survey Field Number 103, Western side of Survey Field Numbers 359, 360 and 373, western and southern sides of Survey Field Numbers 374, Southern ides of Survey Field Numbers 375, 376, 377, 378, 379, 390, 401, 402, 403, 404, 447, 450, 453, 454, 486, 487 and 490 all of the said T.Maravakadu village to the tri-junction point of Survey Field Number 490 of No. 71 T.Maravakadu village, Survey Number 116 of V.No. 75, T.Maravakadu village and Survey Number 317 of No. 83, T.Vadakadu village and then east along the southern side of Survey Field Number No. 317 to the tri-junction of Survey Field Number 317 of the No. 83 T.Vadakadu village, Survey Field Number 212 of No. 74 Pudukottagam village of Pattukottai taluk and Survey Field Number 351 of 135 and then runs north along east the eastern boundary of Survey Number 348 and then along western boundary of Survey Number.347, eastern boundary of 346 of No. 79 Muthupet village till it meets the southeast corner of Survey Number.346 to the tri-junction of No. 74, Pudukottagam village No.79, Muthupet and Survey Number.347 of No.135 Thuraikadu village and then runs to a point which is a theodolite 6 links from and at a bearing 1510. The boundary then runs to station No. 2, a point at distance of 500 links and a bearing of 134.5 from the starting point and thence with the following bearings and distances.

Form Station	To Station	Magnetic Bearings	Distance (in links)
2	3	90.50	2510
3	4	104.75	1242
4	5	101.75	1834
5	6	91.75	2367
6	7	102.00	1767
7	8	121.75	1767
8	9	110.75	2116
9	10	111.25	4612
10	11	110.00	4268
11	12	95.75	3396
12	13	93.00	300
13	14	93.00	2503
14	15	95.00	2574
15	16	95.75	2905
16	17	105.50	4453
17	18	105.50	3496
18	19	105.50	4761
19	20	195.50	3974
20	21	105.50	3716
21	22	106.00	3055
22	31	134.00	9164

North East	The boundary starts from Thamarankottai village runs generally eastwards along the southern sides of survey Field Numbers 964, 966, 968 and 968 western and southern sides of Survey Field Numbers 969 (all of Thamarankottai village) to the southern eastern corner of Survey Field Number No. 969 which is also a bi-junction of the Survey Field Number 969 of Thamarankottai village
East	Hence from station 31 to 32 the boundary runs south for a distance of 2260 links at a bearing of 204.50 till it meets the Palk Strait.
South East	Thuraikadu village of Thiruthuraipoondi taluk and then the boundary generally along the western boundary of Survey Numbers. 478, 479 and 480 of No. 82, Turaikadu village and then the boundary runs along the southern boundary of 480, 474, 473, 467, 459, 457, 450, 449, 351, 443, 435, 350, 432, Thuraikadu village
South	The boundary runs along the coast of Palk Strait till it reaches the southwest corner of Palanjur Bit – 2 RF which is also the junction point of Palk Strait and Survey Number. 556 of Palanjur Village.
South West	Hencethe boundary ends in Palanjur Village, R.S. No. 547,548,569,550 & 551.
West	Hence the boundary runs generally towards north to a distance of 366.8 metres along the western boundary of Survey Number. 558, 557 all of Palanjur Village and thence the boundary runs north along the eastern side of Survey Number. 557 and reaches the tri-junction point of Survey Numbers. 557, 529 and 552 of Palanjur Village. Thence the boundary runs along the southern, eastern and northern sides of Survey Number. 552 till

	it reaches the starting point.
North West	Hence the boundary runs generally towards north to a distance of 366.8 metres along the western boundary of Survey Number. 557 all of Palanjur Village.

ANNEXURE- IIA

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF THE POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY

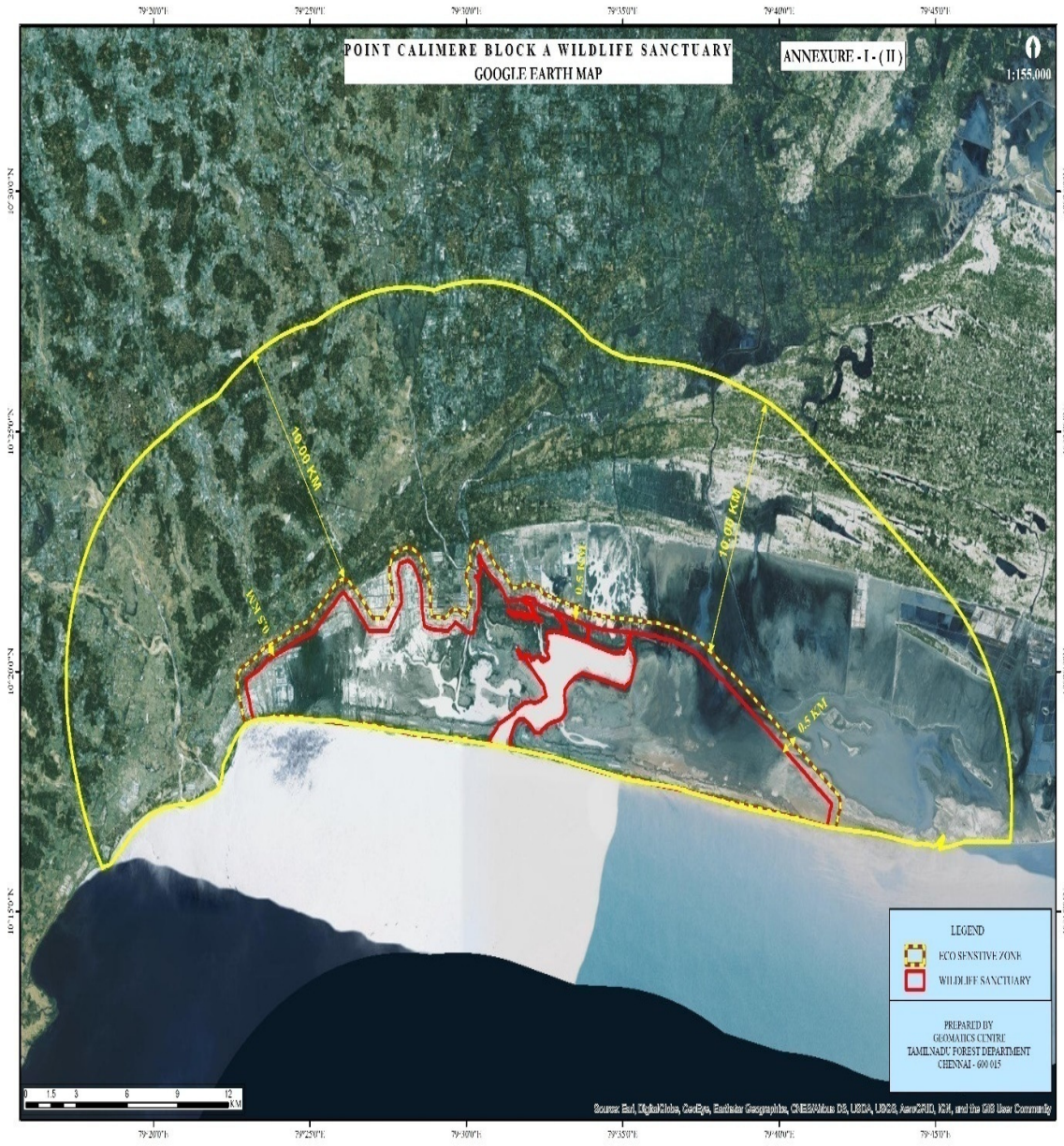

ANNEXURE- IIB

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES POINTS AT PROMINENT LOCATION

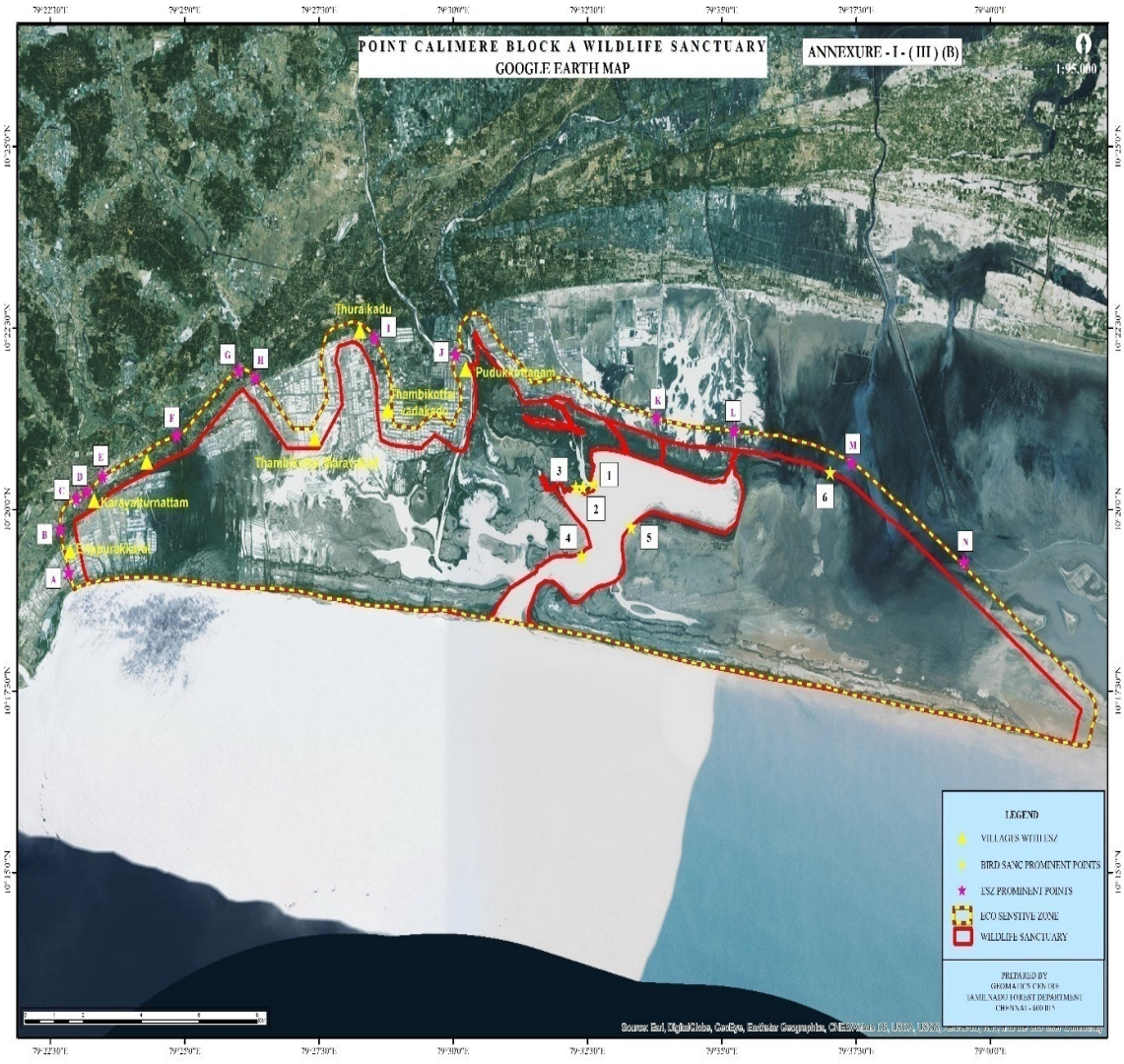

ANNEXURE- IIC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET

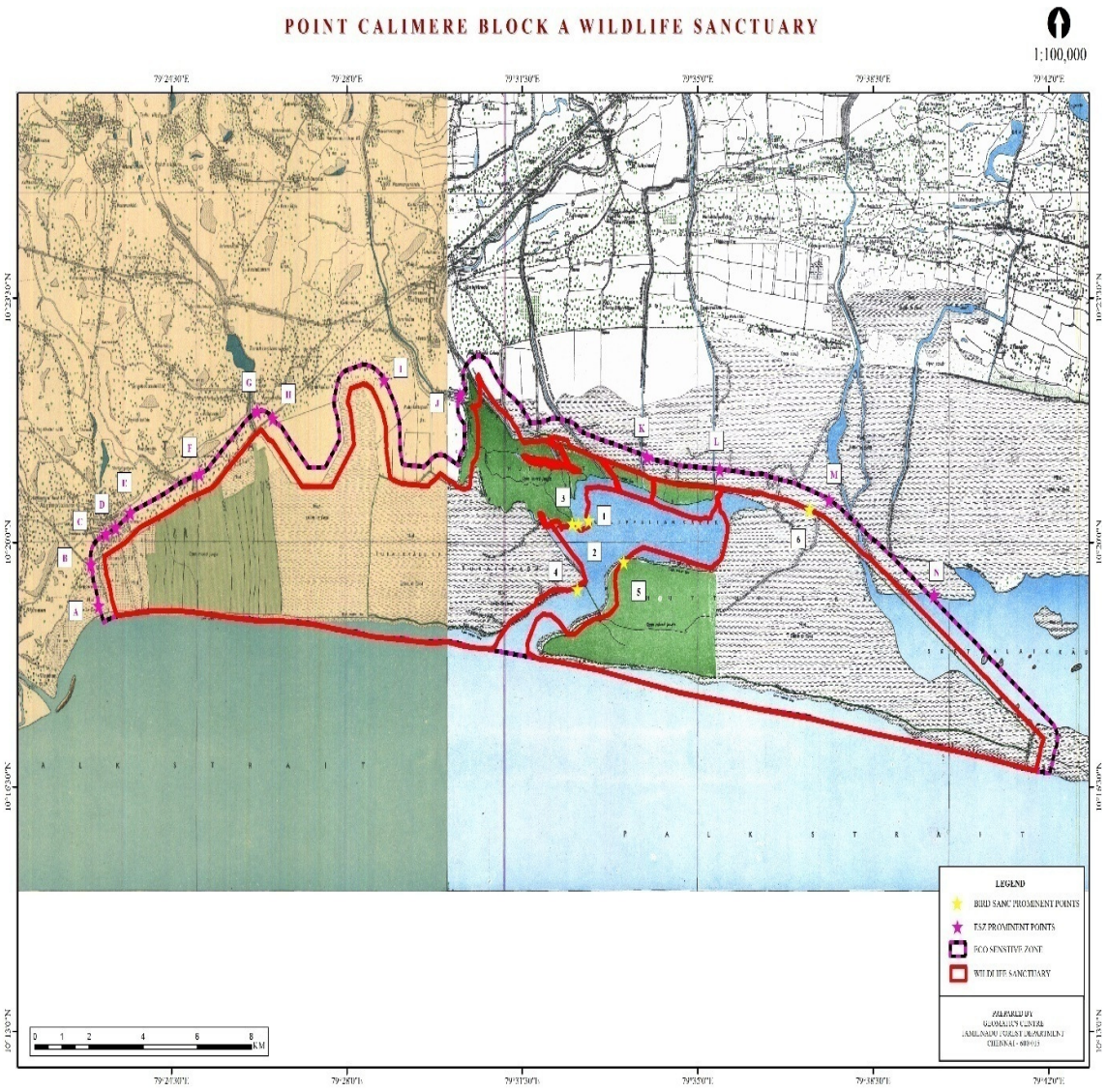

ANNEXURE- IID

LANDUSE PATTERN MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH 10 KM BUFFER

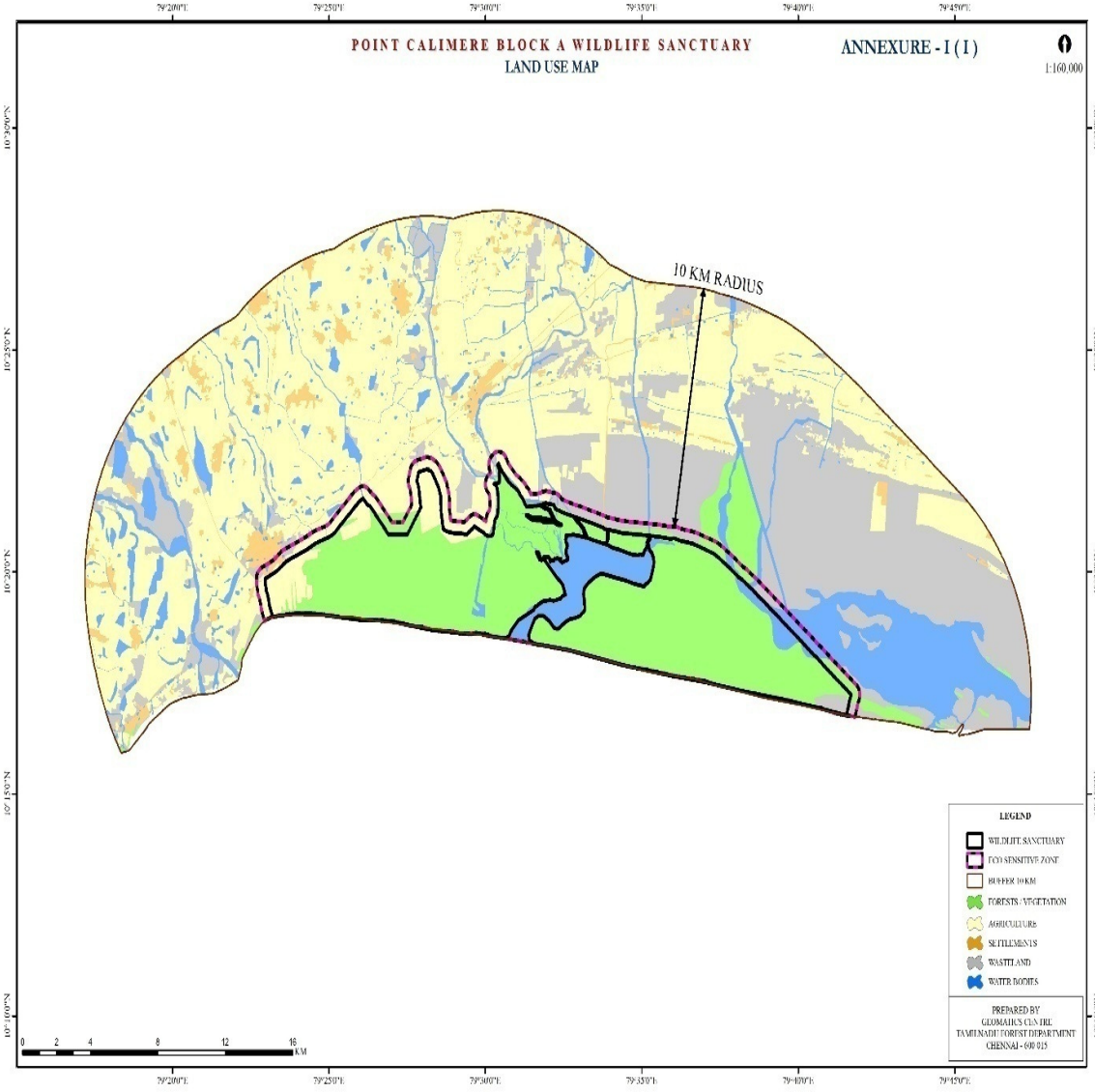

ANNEXURE- IIE

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

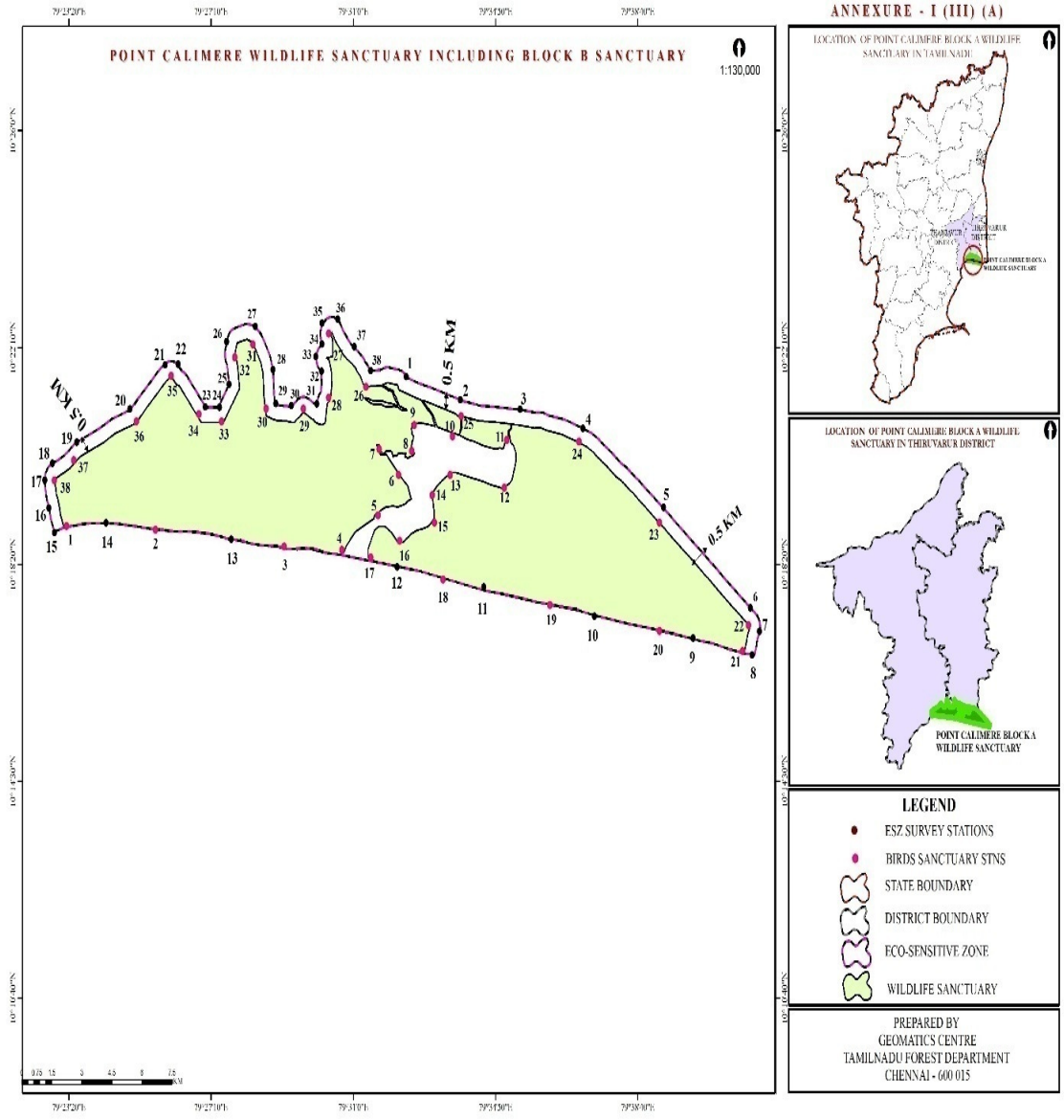

ANNEXURE-III

TABLE A: LATITUDE-LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS OF POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY, TAMIL NADU

S. No.	Location / Direction of Prominent Point	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1.	SW	10°20'5"	79°50'46"
2.	SW	10°20'7"	79°51'26"
3.	S	10°20'6"	79°51'53"
4.	S	10°19'34"	79°51'58"

5.	SE Upputhottam Boat Jetti	10°19'10"	79°52'0"
6.	SE	10°18'40"	79°52'3"
7.	SE Watch Tower & Resting Shed	10°18'13"	79°52'4"
8.	SE New Chief Corner	10°18'4"	79°52'20"
9.	SE	10°17'45"	79°52'25"
10.	SE	10°17'27"	79°52'14"
11.	SE	10°17'8"	79°51'42"
12.	SE	10°16'50"	79°51'2"
13.	SE Jellimunai Boat Jetti	10°16'38"	79°50'15"
14.	SE	10°16'40"	79°50'0"
15.	SE	10°16'57"	79°49'57"
16.	SE	10°17'10"	79°49'48"
17.	S	10°17'26"	79°50'3"
18.	S	10°17'43"	79°50'6"
19.	SE	10°17'55"	79°49'51"
20.	SE	10°18'15"	79°49'56"
21.	E	10°18'23"	79°49'34"
22.	E	10°18'34"	79°49'21"
23	NE	10°18'39"	79°49'19"
24	NE Watch Tower, Thondiyakkadu	10°18'43"	79°49'22"
25.	NE	10°18'45"	79°49'39"
26	N	10°18'47"	79°49'50"
27.	N	10°18'49"	79°49'52"
28.	N	10°18'48"	79°49'57"
29.	N	10°18'50"	79°50'6"
30.	N	10°18'50"	79°50'9"
31.	N	10°19'5"	79°50'12"
32.	NW	10°19'22"	79°50'14"
33.	NW	10°19'21"	79°50'18"
34.	NW	10°19'27"	79°50'19"
35.	NW	10°19'32"	79°50'21"
36.	NW	10°19'33"	79°50'19"
37.	W	10°19'36"	79°50'17"
38.	W	10°19'45"	79°50'18"

TABLE B: LATITUDE-LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

S. No.	Location / Direction of Prominent Point	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1.	N	10°21'40"	79°32'26"
2.	N	10°21'15"	79°33'53"

3.	N	10°21'5"	79°35'30"
4.	NE	10°20'44"	79°37'12"
5.	NE	10°19'21"	79°39'22"
6.	E	10°17'34"	79°41'42"
7.	E	10°17'9"	79°41'57"
8.	SE	10°16'44"	79°41'45"
9.	SE	10°17'2"	79°40'10"
10.	SE	10°17'25"	79°37'30"
11.	SE	10°17'56"	79°34'31"
12.	S	10°18'18"	79°32'11"
13.	S	10°18'47"	79°27'42"
14.	SW	10°19'4"	79°24'20"
15.	SW	10°18'54"	79°22'57"
16.	W	10°19'20"	79°22'48"
17.	W	10°19'49"	79°22'41"
18.	W	10°20'7"	79°22'53"
19.	NW	10°20'30"	79°23'33"
20.	NW	10°21'5"	79°24'59"
21.	NW	10°21'52"	79°25'56"
22.	NW	10°21'53"	79°26'17"
23.	NW	10°21'8"	79°27'1"
24.	N	10°21'7"	79°27'24"
25.	N	10°21'31"	79°27'39"
26.	N	10°22'16"	79°27'35"
27.	N	10°22'33"	79°28'21"
28.	N	10°21'47"	79°28'50"
29.	N	10°21'11"	79°28'54"
30.	N	10°21'9"	79°29'20"
31.	N	10°21'11"	79°30'1"
32.	N	10°21'45"	79°30'9"
33.	N	10°22'1"	79°29'60"
34.	N	10°22'14"	79°30'9"
35.	N	10°22'36"	79°30'9"
36.	N	10°22'40"	79°30'35"
37.	N	10°22'11"	79°31'2"
38	N	10°21'46"	79°31'28"

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGE AREA COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF POINT CALIMERE BLOCK-A WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES

S No.	Village Name	Type of Village	Taluk	District	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1.	Erippurakkarai	Revenue Village	Pattukkottai	Thanjavur	10°19'26"	79°22'52"
2.	Thambikottai vadakadu	Revenue Village	Thiruthuraipoondi	Thiruvarur	10°21'22"	79°28'47"
3.	Pudukkottagam	Revenue Village	Pattukottai	Thanjavur	10°21'56"	79°30'14"
4.	Thuraikadu	Revenue Village	Thiruthuraipoondi	Thiruvarur	10°22'28"	79°28'16"
5.	Thambikottai Maravakadu	Revenue Village	Thiruthuraipoondi	Thiruvarur	10°20'59"	79°27'26"
6.	Karayattu nattam	Revenue Village	Pattukottai	Thanjavur	10°20'7"	79°23'19"

ANNEXURE –V

Performa of Action Taken Report:

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054

MANOJ KUMAR VERMA
Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA
Date: 2019.07.06 14:57:05 +05'30'